जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – अक्टूबर 2021 ।। अंक – 15 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत युवाओं का कौशल विकास (पृष्ठ – 02)

समूह से मिली स्वास्थ्य से संबधित जानकारी (पृष्ठ – 03)

कोरोना से बचाव हेतु टीका लगावाने एवं उचित व्यवहार अपनाने की शपथ ले रही जीविका दीदियां (पृष्ठ – 04)

आजादी का अमृत महोत्सव

आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत सरकार की एक पहल है जो प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए है। यह महोत्सव भारत के लोगों को समर्पित है, जिन्होंने भारत के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की सामाजिक–सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान को एक नया कैनवास प्रदान करने का एक बड़ा प्रयास है। "आज़ादी का अमृत महोत्सव" की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च, 2021 को प्रारंभ हुई, जो भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के लिए 75 सप्ताह तक चलेगी और 15 अगस्त, 2023 को समाप्त होगी। 15 अगस्त, 2022 को देश की आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस को ध्यान में रखते हुए 75 वीं वर्षगांठ से एक–वर्ष–पूर्व यानी 15 अगस्त 2021 से 'आजादी का अमृत महोत्सव' से सम्बंधित कार्यक्रमों की शुरुआत की गयी। आजादी के 75 साल का यह उत्सव विभिन्न स्तरों पर शुरू हो चुका है जो 75 सप्ताह तक चलेगा। इस दौरान भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा देशवासियों की जनभागीदारी से अलग–अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक अंश के रूप में, ग्रामीण विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से सभी राज्यों में "सबकी योजना सबका विकास" नामक जन योजना अभियान की शुरूआत की गयी है। जिसके एक भाग के रूप में ग्राम पंचायत विकास योजना और ग्राम गरीबी न्यूनीकरण योजना के निर्माण के लिए प्रक्रिया की भी शुरूआत की गयी है। साथ ही, दीनदयाल अंत्योदय योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संबद्ध सामुदायिक संगठनों को आर्थिक विकास कार्यक्रमों का लाभ प्रदान किया जाएगा। एसएचजी और सामुदायिक संगठनों में सम्मिलित 7 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के साथ, ग्राम गरीबी उन्मूलन योजनाओं की व्यापक और समावेशी तैयारी और एकीकरण के माध्यम से ग्राम पंचायत विकास योजना की तैयारी में सामुदायिक भागीदारी को सुनिश्चित किया जाएगा।

बिहार में जीविका द्वारा विभिन्न स्तरों पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न सामुदायिक संगठनों में इस महोत्सव को उल्लासपूर्वक आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर अयोजित गतिविधियों में जीविका दीदियों द्वारा आजादी की लड़ाई के सेनानियों को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए संघर्षों को भी रेखांकित किया जा रहा है। इस आयोजन में दीदियों द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ की जा रही है जिनमें–मेंहदी प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर गेम, पौधारोपण, गीत, कार्यशाला, समूह चर्चा एवं रंगोली शामिल है। पिछले दिनों आयोजित कार्यक्रमों के दौरान स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता आदि विषयों पर दीदियों के साथ चर्चा की गयी और प्रतियोगिताओं में विजेता दीदियों को सामुदायिक संगठनों द्वारा सम्मानित भी किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत देश भर में 'संघटन शिविर' आयोजित किए गए। इस अखिल भारतीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) और राज्य कौशल मिशन ने परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ मिलकर काम किये। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह के उद्यमियों को सामुदायिक उद्यम कोष ऋण प्रदान किया जा रहा है। स्टार्टअप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों में भी शिविर आयोजित किए गए। कई स्थानों पर समूह की दीदियों ने ज्वलंत मुद्दों पर संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए। केन्द्र एवं राज्य के अन्य विभागों एवं संस्थाओं की तरह जीविका द्वारा भी आजादी का अमृत महोत्सव उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में जीविका दीदियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया एवं बेहतर भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया।

गाँधी जयंती का आयोजन : संकल्प एवं उद्देश्य

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 153 वीं जयंती के अवसर पर बाल–विवाह, दहेज़, शराबबंदी तथा स्वच्छता कार्यक्रम एवं संकल्प सभा जैसे कार्यक्रम जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड की पंचायतों तक में आयोजित किये गए। ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघों ने गांधी जयंती को खास बनाने के लिए विशेष बैठक आयोजित कर विशेष आयोजन की तैयारी की। सड़क एवं गलियों में जीविका दीदियों द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कार्यक्रम चलाया जायेगा। जीविका दीदियों द्वारा बापू के सपने, उनके उदगार एवं उनकी प्रेरणा को आम जनमानस तक प्रभात फेरी के माध्यम से पहुँचाया जाएगा। ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ में सकल्प सभा का भी आयोजन होगा। इस सभा में जीविका दीदियाँ बापू के विचारों को आत्मसात करते हुए निम्न संकल्प लेंगी और दूसरों को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करेंगी।

- हम सब मिलकर भारत को, बापू के सपनो का भारत बनायेंगे।
- स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे। न गन्दगी करेंगे और न करने देंगे।
- अपने गाँव में खुले में शौच मुक्त अभियान को सफल बनायेंगे।
- शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे और दूसरों को भी ऐसा करने से रोकेंगे।
- 18 साल से कम उम्र में लड़की और 21 साल से कम में लड़के की शादी नहीं करेंगे। न दहेज़ लेंगे और न दहेज़ देंगे।
- अमृत महोत्सव के आयोजन के उद्देश्यों को सफल क्रियान्वयन हेतु अपने घर आँगन में पौधारोपण करेंगी।
- बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करने हेतु महिला स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएँगे।
- ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ स्वच्छता को जीविका दीदियों को अपने आचरण में उतारने एवं गाँधी जयंती के आयोजन के उद्देश्यों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ आयोजित किया जाएगा।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत युवाओं का कौशल विकास

भारत के आज़ादी की अमृत महोत्सव के आयोजन के क्रम में पूर्णियाँ जिला में जीविका परियोजना द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार दिलाने के लिए मोबिलाइजेशन कैंप का आयोजन किया गया। 13 अगस्त से 19 अगस्त, 2021 के बीच प्रखंड स्तर पर आयोजित मोबिलाइजेशन कैंप में रोजगार संसाधन सेवियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण उपरांत बाहर की अच्छी कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने के बारे में जागरूक किया गया। हिमाचल प्रदेश के अतिरिक्त बिहार के पूर्णियाँ, पटना आदि जिलों के नियोजनकर्त्ताओं ने 258 प्रशिक्षित युवाओं की काउंसिलिंग की और प्रशिक्षण के बाद उनका नियोजन इन एजेन्सियों द्वारा किया जाएगा।

स्वरोजगार के लिए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, पूर्णियाँ में भी विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हेतु जागरुकता अभियान चलाए जा रहें हैं। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत जीविका परियोजना अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण एवं रोजगार से संबंधित संचालित गतिविधियों के बारे में लोगों को जागरुक करने हेतु प्रखंड कार्यालयों, जीविका कार्यालयों, संकुल संघ कार्यालयों एवं महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर वाल पेंटिंग की गई है। इन गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अबसर उपलब्ध हुआ है।

समूह से मिली स्वास्थ्य से संबधित जानकारी

यह कहानी है स्वाभिमान जीविका महिला ग्राम संगठन के पायल समूह की अर्चना दीदी की। अर्चना दीदी गर्भवती हैं। अर्चना जब समूह में जुडी नहीं थी तो उसे स्वास्थ्य से संबधित कोई जानकारी नही थी। जब दीदी समूह से जुर्डी तो उसे समूह की बैठक में CM दीदी के माध्यम से स्वास्थ्य से संबधित जानकारी मिली। अर्चना कहती हैं कि जब वह पहली बार गर्भवती थी तो बहुत हीं कठिनाई का सामना करना पड़ा था। वह बहुत कमजोर थी। उनका बच्चा भी स्वस्थ जन्म नहीं लिया था। वह हमेशा बीमार ही रहा और हमेशा डॉक्टर के पास आना–जाना लगा रहता था।

लेकिन इस बार अर्चना को स्वास्थ्य से संबधित सही जानकारी है। अब अर्चना खुद को कमजोर महसुस नहीं कर रही हैं और स्वस्थ भी लग रही हैं। CM दीदी एवं CNRP दीदी द्वारा अर्चना के घर पर खाद्य समूह का स्टीकर चिपकाया गया है और खाद्य प्रदर्शनी के माध्यम से समझाया गया है। दस खाद्य समूह में से प्रत्येक दिन पांच खाद्य समूह अपने खान–पान में उपयोग करने के लिए बताया गया तथा साफ–सफाई, साबुन से हाथ धोने के बारे में बताया गया। नियमित टीकाकरण करने की सलाह भी दी गयी।

CM दीदी, CNRP दीदी से प्राप्त सलाह को सही से पालन करते हुए अर्चना पूर्णत: स्वस्थ है। अर्चना खुद को कमजोर महसूस भी नहीं कर रही हैं। अर्चना कहती हैं कि मैंने आंगनबाड़ी केंद्र में जा कर टीकाकरण भी करा लिया है। अब मेरे जीवन में काफी बदलाव हुआ है।

छह माह पूरे कर चुके बच्चों को मिला पूरक आहार

सुपौल जिले के निर्मली प्रखंड अन्तर्गत बेला सिंगर मोती पंचायत के वार्ड नंबर 7 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर 20 सितंबर की सुबह से ही काफी चहल–पहल दिख रही थी। दरअसल इस दिन राष्ट्रीय पोषण माह–2021 के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन दिवस का आयोजन हो रहा था। इस अभियान में हिस्सा लेने के लिए वैसी जीविका दीदियां अपने बच्चों को लेकर पहुंची रही थीं, जिनके बच्चे की उम्र छह माह पूर्ण हो चुकी हो। अन्नप्राशन दिवस में छह माह पूर्ण कर चुके बच्चों को पूरक आहार देने की शुरुआत की जाती है। इसे स्थानीय भाषा में 'मुंह जुट्ठी' समारोह के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल जन्म से लेकर छह माह तक के बच्चों को केवल और केवल स्तनपान कराया जाना चाहिए। वहीं छह माह पूर्ण करने के बाद बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास की जरूरत के मद्देनजर उन्हें पूरक आहार देने की आवश्यकता होती है। जब से उन्हें पूरक आहार देने की शुरुआत की जाती है उस दिन को अन्नप्राशन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस वर्ष सितंबर माह में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत 20 सितंबर को अन्नप्राशन दिवस का आयोजन किया गया और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ऐसी जीविका दीदियां पहुंची जिनके शिशु की आयु छह माह पूर्ण हो चकी है। सुपौल जिले के निर्मली प्रखंड अन्तर्गत बेला सिंगर मोती पंचायत में स्वस्थ्य पोषण एवं स्वच्छता पर काम करने वाली जीविका कैडर– सीएनआरपी रिंकी कुमारी इस दिन कुल 13 लाभार्थी दीदियों को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र संख्या– 54 पर पहुंची। सभी दीदियों के बच्चे की आयु 6 माह पूर्ण हो जाने के बाद अब अन्नप्राशन हेतु आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंची थी। केंद्र पर आंगनबाड़ी सेविका राधा कुमारी एवं आशा कार्यकर्ता के द्वारा बच्चों का 'मुंह जुट्ठी' कराया गया। अपने बच्चे के अन्नप्राशन हेतु यहां उपस्थित आरती देवी ने कहा कि जन्म से लेकर छह माह तक के बच्चे को सिर्फ मां का दूध दिया गया। अब छह माह पूर्ण होने के बाद वह अपने बच्चे के लिए पूरक आहार देने की शुरुआत कर रही हैं।

राष्ट्रीय पोषण माह 2021

कोरोना से बचाव हेतु टीका लगवाने एवं उचित व्यवहार अपनाने की शपथ ले रही जीविका दीदियां

जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़े गरीब परिवारों को स्वस्थ एवं खुशहाल बनाने के उद्देश्य से परियोजना द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सितंबर 2021 को 'राष्ट्रीय पोषण माह' के रूप में मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति समाज में व्यापक जन–जागरूकता लाना था। यह अभियान राष्ट्रीय पोषण मिशन से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक था। वर्तमान समय में कोराना महामारी की वजह से लोगों का स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में लोगों को सही पोषण लेने हेतु जागरूक करने के साथ ही कोरोना का टीका लगवाने एवं कोरोना से बचाव हेतु उचित व्यवहार अपनाने के लिए समुदाय को अभिप्रेरित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से सितंबर–2021 को पोषण और टीकाकरण माह के रूप में मनाया गया। इसमें जीविका दीदियों, कैडरों और कर्मियों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह में 4 सप्ताह के लिए अलग–अलग विषयों पर 4 अभियान चलाया गया :–

1. **1 से 5 सितंबर :–** राष्ट्रीय पोषण माह का पहला सप्ताह जिला एवं प्रखंड स्तरीय अभिसरण तथा कार्य योजना निर्माण गतिविधियों में भागीदारी पर केंद्रित रहा। इसके तहत संबंधित सरकारी विभागों द्वारा जिला और प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाली गतिविधियों में जीविका दीदियां सम्मिलित हुईं।

2. **6 से 12 सितंबर :–** पोषण माह के दूसरे सप्ताह में कोरोना का टीका लगवाने हेतु प्रेरित करने, कोरोना से बचाव हेतु उचित व्यवहार अपनाने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु अभियान चलाया गया। ऑडियो–वीडियो के माध्यम से जीविका दीदियों एवं उनके परिवारों को कोरोना के बारे में जानकारियों का प्रसार किया गया है। समूह की बैठक में भी दीदियों को कोरोना एवं टीकाकरण के बारे में ऑडियो एवं वीडियो संदेश सुनाये गये। इसके बाद उपलब्ध कराए गए लिंक पर सीएम दीदी द्वारा सुनाए गए संदेशों के आधार पर प्रश्नोत्तरी भरवाया गया, जिससे यह पता चल सके कि वास्तव में कोरोना को लेकर दीदियों में कितनी समझ विकसित हुई है। जीविका दीदियों ने अपने–अपने समूहों, ग्राम संगठनों एवं संकुल संघ की बैठकों में शपथ लिया कि वे कोराना का टीका लगवाएंगी और कोरोना से बचाव हेतु अपेक्षित नियमों का पालन करेंगी।

3. **13 से 19 सितंबर :–** जीविका दीदियों को पोषण बगीचा के बारे में जागरूक करने एवं पोषण बगीचा लगाने हेतु उन्हें अभिप्रेरित किए जाने के लिए ऑडियो–वीडियो संदेशों का प्रसार किया गया। इसके बाद उपलब्ध कराए गए लिंक पर प्रश्नोत्तरी भरवाने के साथ ही दीदियों को अपने–अपने घरों में पोषण बगीचा लगाने की शपथ भी दिलाई गई।

4. **20 से 30 सितंबर :–** स्वयं सहायता समूह की बैठकों में सीएम द्वारा पारिवारिक आहार विविधता से संबंधित वीडियो दिखाई गई। इसमें आहार विविधता के महत्त्व के बारे में बताया गया है। वीडियो दिखाने के बाद सीएम द्वारा दीदियों से प्रश्नों के उत्तर भरवाए गए ताकि यह पता चल पाए कि दीदियों में आहार विविधता को लेकर कितनी समझ विकसित हुई है।

उक्त गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य विभागों द्वारा समुदाय स्तर पर आयोजित होने गतिविधियों जैसे–पोषण रैली, रंगोली प्रतियोगिता, प्रभात फेरी और शपथ इत्यादि में भी जीविका दीदियां शामिल हुई हैं। इसके अलावा परियोजना कर्मियों एवं कैडरों के लिए पोषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्री ब्रज किशोर पाठक – विशेष कार्य पदाधिकारी
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णिया
- श्री बिप्लव सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री विकास कुमार राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर